

3/3/02	<p>वकील प्रार्थी कुलधर / प.०.सा. इत्य शरणाधी के अंतर होने से पत्रावली प्रकीर्ण दिनांक 28/1/02 को पेश हो</p>
9/6/02	<p>लोकाडान एवं कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मुलाकिक इत्यय पर पत्रावली काज पेश हुई। वकील कुलधर पक्ष उपर प.०.सा. इत्य शरणाधी के अंतर होने से पत्रावली प्रकीर्ण दिनांक 27/7/02 को पेश हो</p>
27/7/02	<p>वकील प्रार्थी उपर / प.०.सा. इत्य शरणाधी के अंतर होने से पत्रावली प्रकीर्ण दि. 14/9/02 को पेश हो</p>
14/9/02	<p>वकील प्रार्थी उपर / पत्रावली प्रकीर्ण दिनांक 22/9/02 को पेश हो</p>
22/9/02	<p>वकील प्रार्थी उपर / वकील प्रार्थी इस प्रार्थना पर को इसी इल पर विद्दि बयान चाहते हो ऐसी स्थिति में जब वकील प्रार्थी इस प्रकरण को इसी इल पर विद्दि बयान चाहते हो तो प्रावका एज विद्दिन शक्ति किया जाता है पत्रावली प्रकीर्ण कुमा होकर नष्ट से कम भी जावे। काड तामिल तन्मीड डाकिण इत्यत हो</p>

~~Handwritten signature~~
 22/9/02

जिना कबेसर
 सेय